



दिनांक 12/11/64  
29000  
विश्राम

श्री मुकुट लकड़ा वी श्री किराज लकड़ा लन्दान कवणीय  
श्री भलवेल तिकी पिता का नाम श्री खूस्तोदय तिकी  
जानि उरंव पेरा खेती बारी निवास गांव सिमडेगा चोचोटोली  
प्रगना बीरु थाना सिमडेगा जिना संचि।

द्वारा दर्शा  
रु 26.00  
रु 4.30  
रु 8.42  
रु 42.82

श्री मुकुट लकड़ा वी श्री किराज लकड़ा लन्दान कवणीय  
श्री भलवेल तिकी पिता का नाम श्री खूस्तोदय तिकी  
जानि उरंव पेरा खेती बारी निवास गांव सिमडेगा चोचोटोली  
प्रगना बीरु थाना सिमडेगा जिना संचि।

श्री मुकुट लकड़ा वी श्री किराज लकड़ा लन्दान कवणीय

श्री भलवेल तिकी पिता का नाम श्री खूस्तोदय तिकी

जानि उरंव पेरा खेती बारी निवास गांव सिमडेगा चोचोटोली

प्रगना बीरु थाना सिमडेगा जिना संचि।

क्रेता।

बिक्रय पत्र केवाला (बैला कलामी) धन पुतादिक सदा -  
दिन के हिसे होता है।

मुद्रय - मौजलीक दो हजार रुक सौ रुपैयां अंके 2100 रुपैयां  
जिसका भाधा रुक हजार पचास रुपैयां अंके 1050 रुपैयां  
होते हैं।

सम्पति - शराजिमत अन्दर खेबट नुं 2 खाता नं 62 ग्राट नं 442  
रुक 0.30 डीसमील में से 0.14 डी० पन्द्रह डीसमील बारी  
द्विमत कामगी रैयती जमीन खास मय दरवली जिसका धरा  
विवरण नीचे दिया गया है।

(Wife of)  
Bishwas Hskey



1. चूंकि हमें घर के जरूरी खर्च के लिये पैसे मंजूर करने का काम चुकाने के बहन की शादी के लिये रुपयों की बड़ी आवश्यकता पड़ी, और इस समय इस काम के लिये रुपयों मिलाने का भिन्न उपाय विवाह जमीन बेचने दुसरा नहीं है, अतः उपर्युक्त लेख्यधारी श्री अलबेल तिकी दे मेरी जमीन खरीदने की इच्छा की और उन्होंने जमीन लेना स्वीकार किया।

2. इसलिये हमलोगों ने अपनी इच्छा से शरीर और मन की स्वास्था में रहकर उपर खाना संख्या ५ में वर्णित जमीन को उपर्युक्त लेख्यधारी के हाथ में मोवलीक, दो हजार एक सौ रुपया अंके, (2100) रुपया नगद कीमत को वसुली पाकर बेचा और इस जमीन का अपना सब अधिकार - एक-एकुक उक्त लेख्यधारी को हस्तान्तरित कर दिया। अब ही बिक्रीत जमीन पर हमारा कोई अधिकार न रहा न हमारी किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का। चूंकि क्रय विक्रय करने वाले दोनों सुरक्षित रयत हैं, अतः प्रीमान संस० डी० ओ० सिमडेगा के अदालत में परमिशन का दखल किया जिसका मुकदमा नं० १ भार ८ (ii) ६६-६५ है जिसकी स्वीकृति दिनांक ३०-४-६५ को हुई है।

3. हम प्रतिज्ञा करते हैं कि उक्त जमीन पर हमलोगों का निर्विबाध एक वे दखल कब्जा है, और किसी प्रकार का भंग नही है, चाहे कि लेख्यधारी बिक्रीत जमीन

मुकुट लखड़ा

दि: १२-१-६६

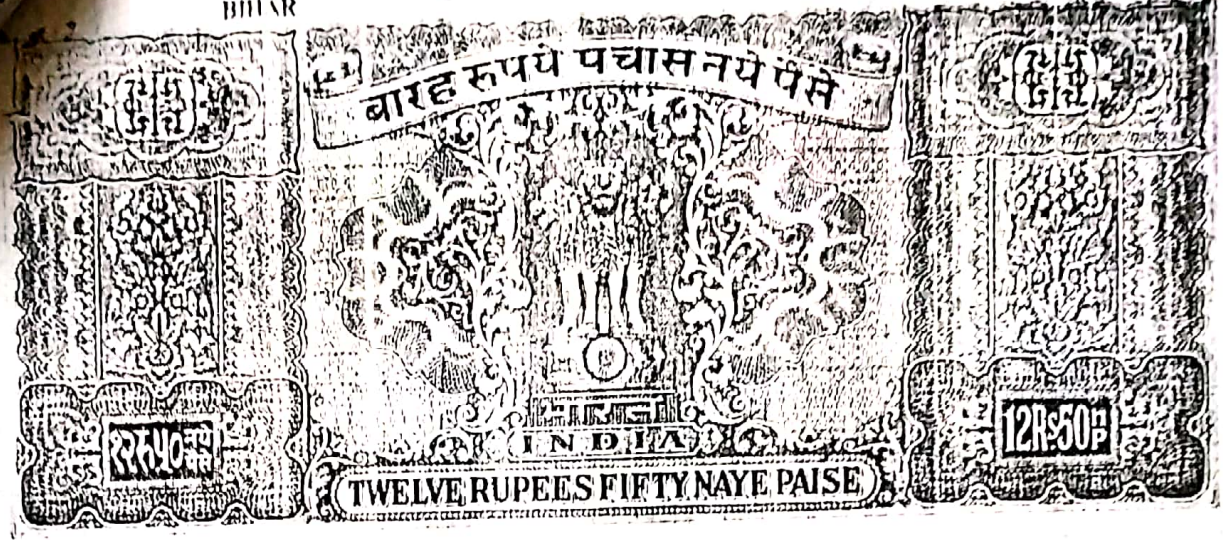
विश्वज लखड़ा

दि: १-१-६६

दि: २१/१/६५  
 दि: २१/१/६५  
 दि: २१/१/६५  
 दि: २१/१/६५

(wife of)

Bishwas Tirkey



जमीन पर काबिज भो दखलदार होकर जोत कोइ करे  
 ओ पैदावार नगदी जिनसी जिल तरह का हो पुत्र  
 पुत्रादिक भाद ओलाद तक परम सुरक भोग —  
 तदनुक क्रिया करे । ओ जमीन्दार बिहार सरकार  
 बजरिये सर्किल आफिसर भोकास सिमडेगा के  
 सिरिस्ते अपने नाम पर दारिकल खासीज कराने  
 ओ मालगुजारी देकर खास रसीद अपने नाम से  
 लिखा करे ।

मुकर लकडा  
 ता: १२.१.६६

४, इसलिये बिक्रय पत्र केवाला (बेना-  
 कलामी) पुत्र पुत्रादिक तक के लिये लिख दिया  
 कि उमाण रहे ।

बिस्वस लकडा  
 १२.१.६६

जमीन का पूरा विवरण :

बोके, भोजा सिमडेगा उगना बीस धाना —  
सिमडेगा धाना नं. ११६६ सब रजिस्ट्री आफिस  
 सिमडेगा सब डिविजन सिमडेगा सदर रजिस्ट्री  
 आफिस तथा जिला संची :

अन्दर खेत नं २ खाता नं ६४  
 आट नं ५ ६२ रकबा ०.३० तीस डीसमील  
 में से ०.१५ डीसमील (पन्द्रह) डीसमील बारी ।  
 जो हरी नीचे दिमा जाता है

(wife of)  
 Bishtwasi Birka.



जोहदी :-

उत्तर :- जुसफ उरांव बगैरह कुंझा कारी ।

दखिन :- परती कदीम एवं शरता ।

दूरब :- कारी कुंझार उरांव वो मकान पावल लकड़ा

पश्चिम :- कारी कुंझार उरांव वो मकान कारी सिधेश्वरी चरण लाल ।

मिजान :- एक खाता वो एक झाट का कुल रकबा ०.३० तीस डी समील में है ०.१५ पन्द्रह डी समील जिसमें एक हिस्सा जानिब दूरब दखिन किनारा वो दुसरा हिस्सा जानिब उत्तर पच्छिम किनारा, जिसका सालाना मालगुजारी १० (दस) नया पैसा भलावे शोध ।

मेकिशम के कहने पर बिक्रय पत्र केवाला लिखा वो पढ़कर सुना वो समझा दिया तथा वे स्वयं पढ़कर वो समझ कर बोले ही कहेंगे। जो समझ बूझ कर इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर दिये ।

लिपिकार :- रस्तोमिही काड़ा ताइद रुडमोकेट सिमडेगा  
 आज दिनांक १२-१-१८६९ ई

सुंहुट लकड़ा  
 नो. १२-१-६६

विराज लकड़ा  
 १२-१-६६

*(Handwritten signature)*

(wife of)  
 Bishwasi Tirkey.



हम मुकुट लकड़ा जो विराज लकड़ा पिता स्व० सेतुज  
 लकड़ा साकिन सिमडेगा चौचौटेली प्रगना किरा शाना सिरोम  
 जिला रांची का प्रमाणित करते हैं कि जो सम्पति का  
 अन्तरण कर रहे हैं वह सम्पति विनिर्दिष्ट अधिकतम सीमा  
 सीमा से अधिक नहीं होगी।

- 1. मुकुट लकड़ा १२-१-६६
- 2. विराज लकड़ा १२-१-६६

बिक्रे ता श्री मुकुट लकड़ा जो विराज लकड़ा का श्री  
 स्तौपन कड़ा ने पहचान किया उसने मेरे सामने हलफ  
 लसदीन किया कि उपर के व्यान उसके जानवारी में  
 एवं विश्वास से सच है।

श्री स्तेफन बड़ा  
 १२-१-६६

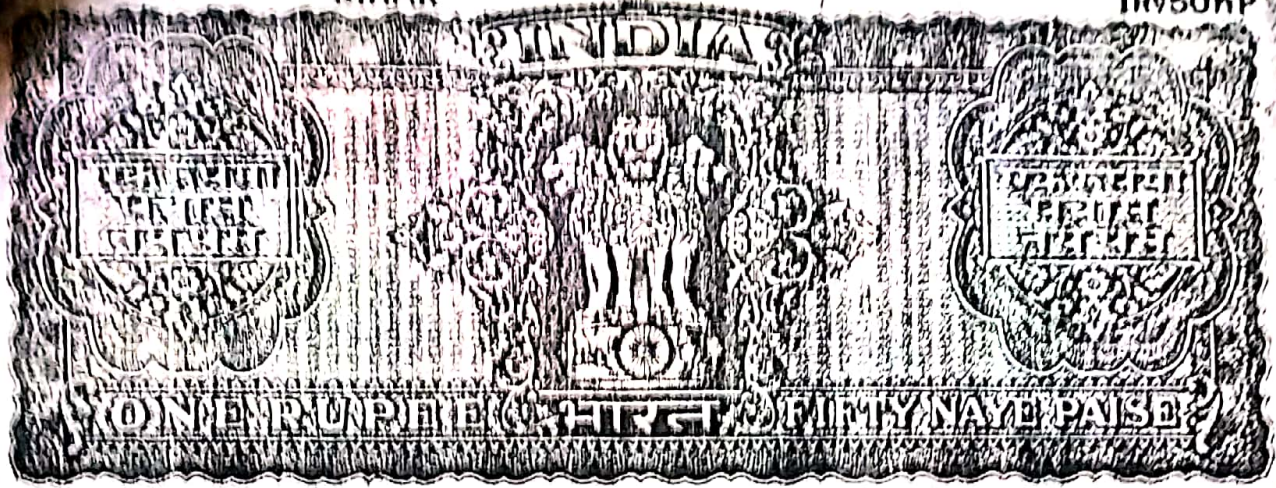
ॐ

निबन्धक प्रदाधिकारी

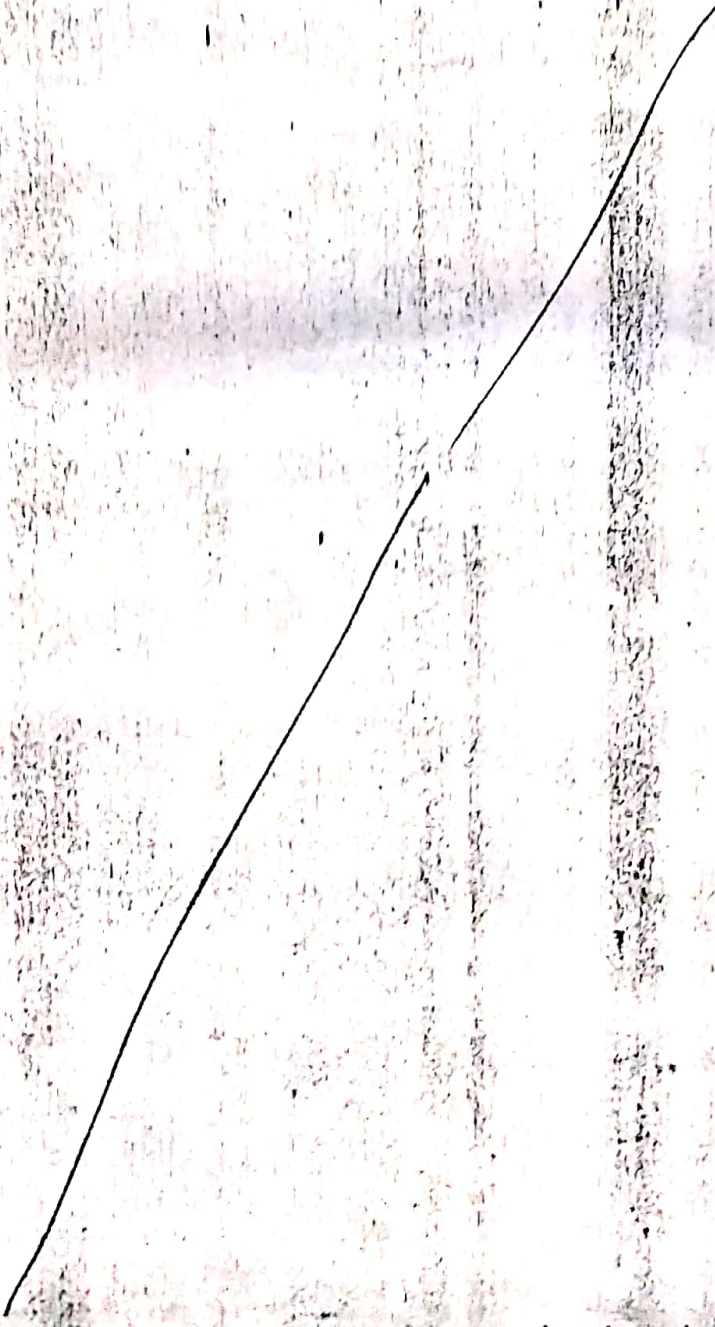
(wife of)  
 Bishnasi Turkey.

BIHAR

1R950nP



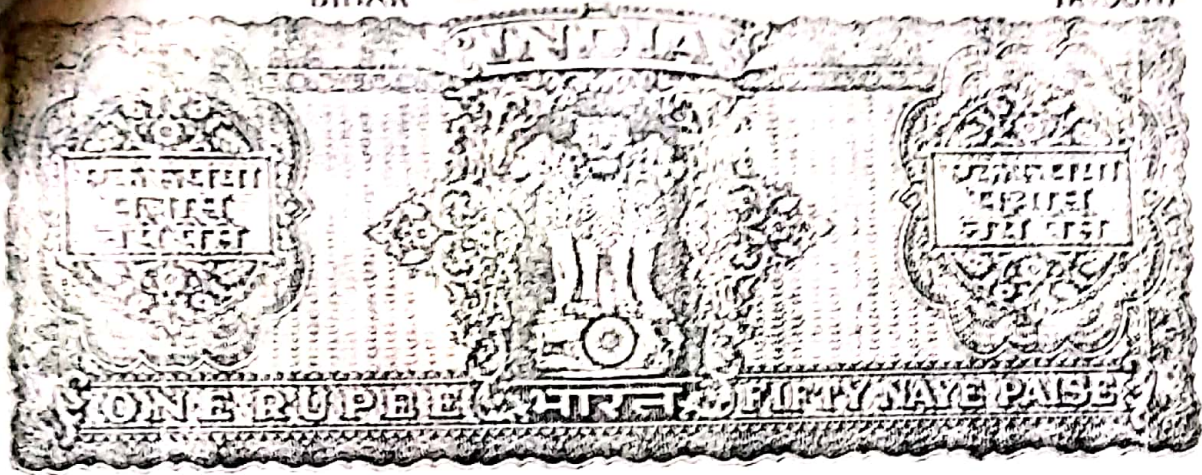
39-2-81  
 15/10/2018



(wife of)  
 Bishwasi Tirkey .

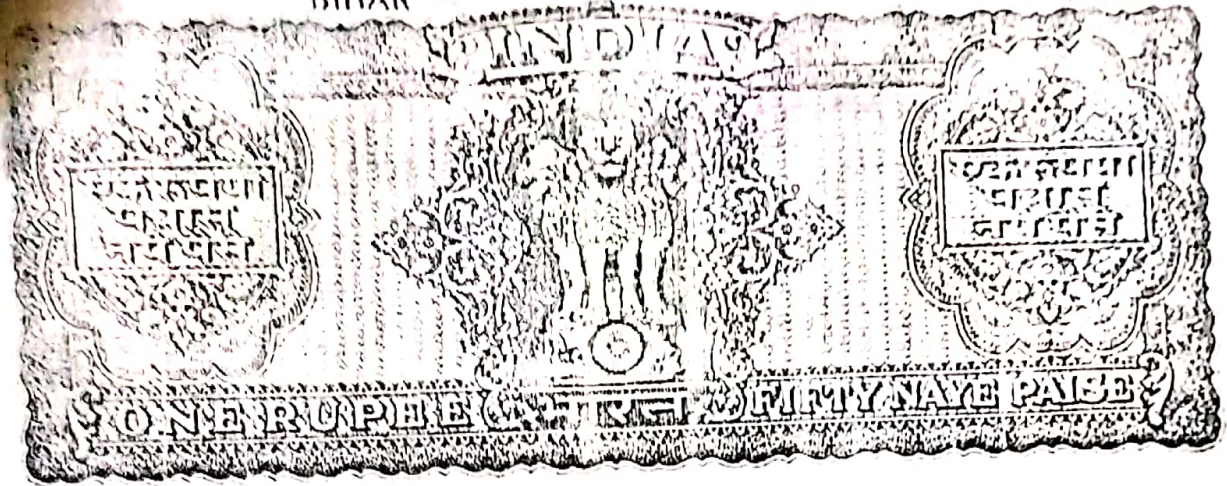
BIHAR

1850nP



39-1-22  
 15/10/22  
 22-7-22

(wife of /  
 Bishtwasi Tirkey



श्री अलबेल तिरकी पिता श्री रघुस्तोदय तिरकी साकि  
 सिमडेगा खोचोदोली थाना सिमडेगा जिला रांची वन इभागीत  
 करता हूँ कि आंकित को जाने वाली सम्पत्ति के कारण मेरे  
 द्वारा आरित सम्पत्ति अधिकतम सीमा से अधिक नहीं होगी

श्री. अलबेल तिरकी  
 92-9-66

श्री अलबेल तिरकी को श्री स्तेफान बड़ा ने  
 पहचान की उसने मेरे सामने एल्फन लसदीक दिया कि  
 उपरोक्त ध्यान उसको जानकारी एवं विश्वास से संचालित

श्री स्तेफान बड़ा  
 92-9-66

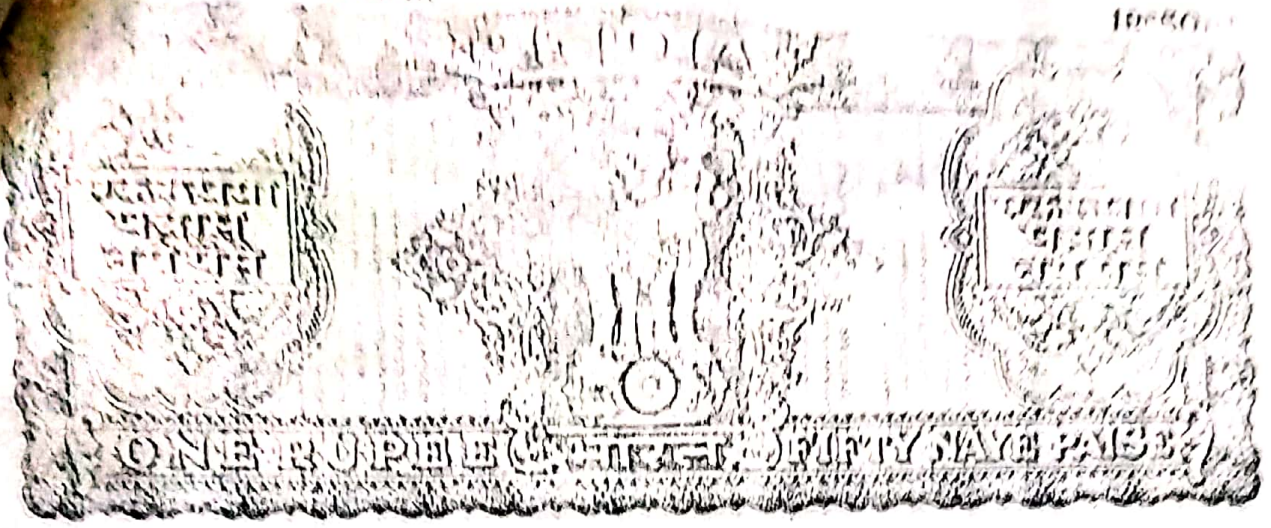
(Signature)  
 निवृत्त पदाधिकारी

(Wife of)  
 Bischwasi Tirkey.



THIRAR

10000



ONE THIRAR (THIRAR) FIFTY FIVE PACE

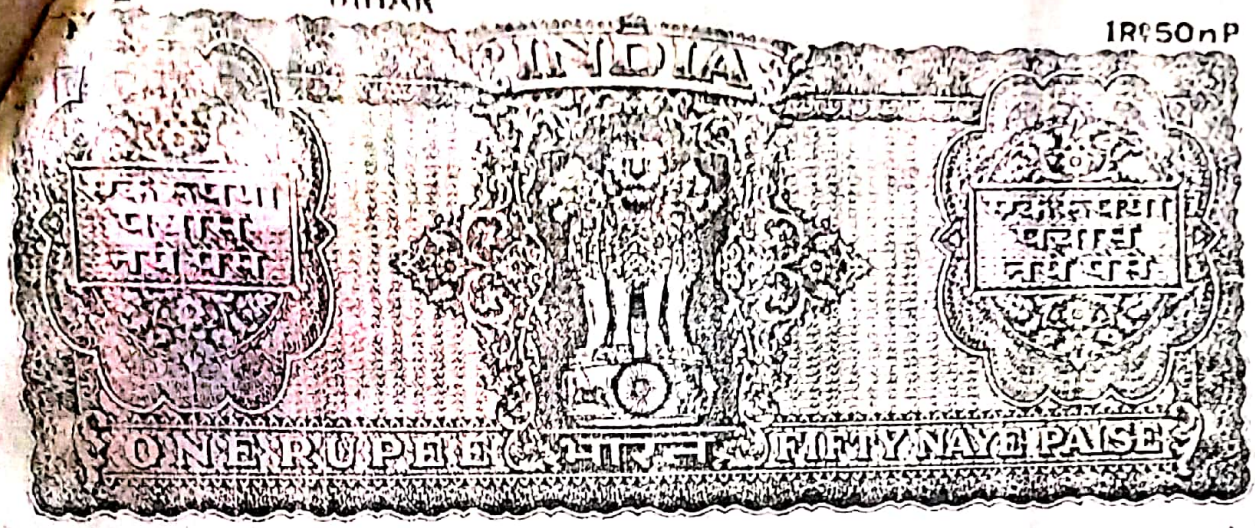
मि. अ. अ. अ.  
११. १. १९६१

(wife of)

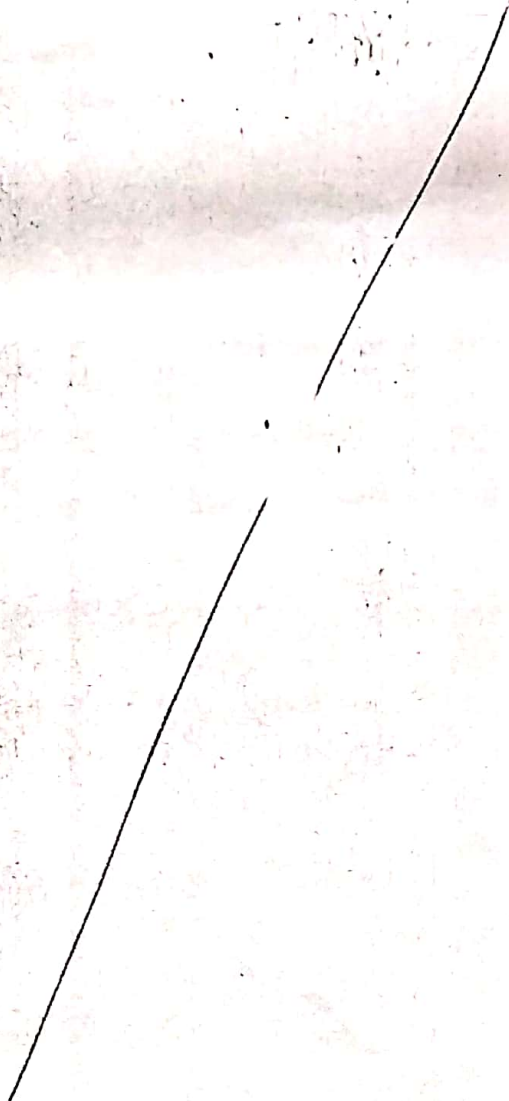
Bishwasī Tirkey.

BIHAR

IR 50n P



मि. श्री. श्री. श्री.  
92. 7. 65.



(wife of)  
Bishwasi Tirkey.